इमारत बी.के. जीवन की

- बी.के.सुमन, अलीगंज, लखनऊ

विश्वकर्मा ने विश्व का नव निर्माण कितनी कला के साथ किया था, जहाँ सर्व सुखों व शान्ति का सम्पूर्ण समावेश था विश्व का आधार इतना मजबूत था कि २५०० वर्षों में एक दरार भी नहीं पड़ी, न हीं कुछ सीलन या प्लास्टर झड़ने की शिकायत हुई, सुखदाई भवन जीवन का सुख देते थे, लेकिन द्वापर से फिर हमने सिर्फ मैटेरियल के घर बनाये जो एक मकान के सिवाए और कुछ नहीं बने, घर तो कभी लगे ही नहीं। पहले जमाने में लोग शिफ्ट वाइज मकान मनाते थे, बिना कोई मैप के जब जितनी सुविधा हुई, जितनी आवश्यकता हुई एक छत डाल दी, इसलिए वह मकान न तो प्राकृतिक आपदाओं को झेल पाते थे न ही दीर्घकालीन होते थे, देखने में कोई लुक आता ही नहीं था। पिलर्स पर तो मकान कभी बनाने का सोचा ही नहीं लेकिन जैसे-जैसे विज्ञान ने तरक्की की वैसे-वैसे उसका उपयोग इमारतें बनाने में भरपूर करने लगे। आज तो मकान बनाने से पहले ही सोइल टेस्टिंग होती है, फिर कितनी गहराई से कितनी मोटी सरिया कितनी चौड़ाई के कॉलम होने चाहिए यह सब पहले से ही निर्धारित हो जाता है। मकान का एलीवेशन कैसा होगा, पहले ही देख सकते हैं जिसके कारण मकान भूकम्प रोधी बनाने में सफल हुए और जीवन मकान में नहीं घर में सुखी चलने लगा। इसी प्रकार हमें अपने जीवन की इमारत भी फुलप्रूफ बनाना चाहिए, पहले सोल टेस्टिंग करके अवश्य देख लेना चाहिए जिससे सहज ही यह पता हो सके कि इस पर कितने मंजिल की बिल्डिंग बनाई जा सकती है।

बी.के.जीवन की इमारत का भी पहले लक्ष्य रूपी मैप बनाना चाहिए फिर सिद्धांत रूपी पिलर्स पर जीवन की इमारत बनाना शुरू करना चाहिए जिससे किसी के भी प्रकृति (स्वभाव) रूपी परिस्थिति को झेलकर भी अचल-अडोल स्थिति बनी रहेगी। निश्चय की सीमेन्ट, विश्वास का मौरंम, कल्पना की वालू, स्नेह का पानी लेकर मनन-चिन्तन के फावड़े से मिक्स कर विचारों की ईटों को चिनाई करते ड्रामा की दीवार बनानी है लेकिन उसके पहले सच्चाई की गिट्टी हर पिलर्स के नीचे गम्भीरता रूपी दुर्मुट से अच्छी तरह से सेट कर देना चाहिए। एक काम और सिद्धांत रूपी पिलर्स को प्लीन्थ लेबल पर

लाकर प्रतिज्ञा रूपी विम में योग रूपी सीलन प्रूफ पाउडर मिलाकर धीरज की साइडें लगाकर ढलाई कर देना चाहिए। धीरे-धीरे दीवारों को ऊंचा करते-करते परिवर्तन की सटरिंग में आधार स्वरूप के स्वमान की वल्लियां उद्धार स्वरूप की फंटियों पर मर्यादा की कीलें जड़कर सटरिंग सेट करनी होगी जिस पर दृढ़ता की सरिया में श्रीमत का तार बांध कर जाल बनाना है जिस पर सन्तुष्टता की छत डालनी है। साथ-साथ नथिंग न्यू के डाऊन पाइप भी साथ-साथ लगाते जाना है मास्टर सर्वशक्तिवान स्वमान की वायरिंग भी साथ-साथ लगानी है। और नथिंग न्यू डाउन पाइप के ऊपर निर्मानता की जाली अवश्य लगानी होगी। छत के ऊपर अटेन्शन रूपी मुर्गा जाली डालकर, हिम्मत का प्लास्टर लगाना है जिस पर धारणा की सफेदी करवानी है। जिस पर नम्रता का प्राइमर लगाकर हर्षितमुखता की विरलापुट्टी लगाकर मुरली रूपी ब्रश से परमात्म संग का रंग लगाना चाहिए। क्षमा भाव की खिड़की, सद् भाव के दरवाज़े में सी नो इविल के पल्ले लगाकर, त्रिकालदर्शीपने के पंखें लगाकर, पवित्रता की लाइट लगाकर, गुणों से सजावट कर देनी चाहिए। सबका पार्ट फिक्स है रूपी एक्झास्ट फैन लगाना चाहिए। मधुरता रूपी वेन्टीलेटर लगाकर रोशनी व हवा आने का पूरा प्रबन्ध करना है।

यथार्थ के फर्श पर सरलता का टाइल्स लगाना है। खुशी रूपी रूम फ्रेशनर एवं प्रेम की अगरबत्ती सदा लगाकर हर आने जाने वाले को खुशबू से सराबोर करते रहना है। हाँ, शुभ भावना की बेल जरुर लगानी है। जगह-जगह सहनशीलता के गमले रखकर करुणा के पौधे लगाकर सारे घर में एडजेस्टींग की ऑक्सीजन फैलाते रहना है। अगर कहीं नीरसता की सीलन आ भी जाये तो चेकिंग व चार्ट रूपी मसाले से रिपेयर कर देना चाहिए। अगर कहीं संस्कारों के टकराव की दरारें पड़ने लगे तो तुरंत कम्युनिकेशन रूपी पुटीन भरना शुरू कर देना चाहिए। अगर ऐसे इमारत बनाये तो वर्तमान जीवन तो सुखदाई होगा ही, भविष्य में 21 मंजिल की इमारत भी अच्छे-ते-अच्छी बनेगी, जिससे सम्पूर्ण खुशी व सुख सम्पन जीवन निर्विघ्न निकष्टक चलेगा। न टपकने की चिन्ता न गिरने का भय, पर ऐसी इमारत सिर्फ विश्वकर्मा की निगरानी में ही बनाई जा सकती है। तो मेरे प्रिय भाईयों एवं बहनों क्या आप अपनी बी.के.जीवन की इमारत कुछ ऐसी ही बनाना चाहेंगे, अगर हाँ, तो चलो बी.के.सेन्टर पर जहाँ सब टेस्टिंग करके विश्व नव-निर्माण करने आये विश्व कर्मा आपसे ऐसी इमारत बनाने में गाइड करते रहेंगे। ओमशान्ति।